

जनमत टुडे

वर्ष:12

अंक:314

देहरादून, गुरुवार, 25 नवंबर, 2021

पृष्ठ:08

बरसीम चारा की पाचकता एवं पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशु

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के चारा वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है इसके चारे की पाचन शीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है।

दैनिक जागरण 26/11/2021

चारे की पौष्टिकता बढ़ाएं स्वस्थ रहेंगे पशु

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के चारा वैज्ञानिक डा. हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए सर्दी के मौसम में बरसीम चारे की पौष्टिकता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बरसीम चारे का बेहतर स्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। चारे की पाचन शीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है।

साथ ही इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाया जाता है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की जरूरत कम होती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, लेकिन दूसरी व तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है। किसान बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है, इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएं या पहले सूखा चारा और फिर बरसीम खिलाएं घ बरसीम की बुआई के समय अगर बीज के साथ जई, गोभी, सरसों का बीज मिलाकर बोएं तो अधिक मात्रा में हरा चारा प्राप्त होगा।

बरसीम चारा की पाचकता एवं पौष्टिकता बढ़ायें किसान, स्वस्थ रहेंगे पशु

राष्ट्रीय अवतार न्यूज़ कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज चारा वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा २० से २२ प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता ७० से ७५ प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है छ किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं ७ बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ छ बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो का बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा में हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।

Sign in to edit and save changes to this file.

दैनिक-विद्येता | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | उत्तर प्रदेश

र से नीचे जनसंख्या स्थिर हो रही। 12 | जीव जीवन के स्थान पर जीव निर बनने का 11

जन एक्सप्रेस

गुरुवार, 25-11-2021 अंक-411

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

सर्दी में पौष्टिक चारे के रूप में उत्तम स्रोत है बरसीम

कानपुर नगर। सर्दी के मौसम में पशुओं की पाचनशीलता बढ़ जाती है और इस मौसम में हरे चारे की अधिक जरूरत होती है। ऐसे में बरसीम का चारा पशुओं के लिए पौष्टिक के रूप में उत्तम स्रोत माना जाता है। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि सर्दी के मौसम बरसीम का चारा खिलाकर दुधारू पशुओं से अधिक दूध प्राप्त कर सकते हैं। यह बातें गुरुवार को सीएसए के वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने कही। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में गुरुवार को चारा वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसान भाइयों को सलाह देते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है। बताया कि किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ। बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो का बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा में हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।



Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress | www.twitter.com/worldkhabarexpress | www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार, 25-11-2021 अंक-411

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

बरसीम चारे की पाचकता व पौष्टिकता बढ़ायें किसान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चारा वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते हैं, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है लेकिन दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ। बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो का बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा में हरा चारा प्राप्त होगा, बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।

